18 राजस्थान के लोक वाद्ययंत्र

1. **निम्न में से कौनसा वाद्य वीणा के आकार का होता है एवं इसे वीणा का प्रारम्भिक रूप कहा जाता है?**
(1) भपंग (2) कामायचा
(3) चिकारा (4) जन्तर (4)

2. **लोहे से बना मोरचंग किस प्रकार का वाद्य है ?**
(1) घन (2) सुषिर
(3) ताल (4) तत् (2)
व्याख्या– यह सुषिर वाद्ययंत्रों में सबसे छोटा वाद्ययंत्र है।

3. **किस कलाकार को 'नगाड़े का जादुगर' कहा जाता है?**
(1) रामनाथ चौधरी (2) करणा भील
(3) हरिप्रसाद चौरसिया (4) रामकिशन सोलंकी (4)
व्याख्या– नगाड़ा भैंस के चमड़े का बना होता है। इस वाद्ययंत्र को मांगलिक अवसरों पर शहनाई के साथ बजाया जाता है। नगाड़े का एक जोड़ होता है, जिसमें एक नर व एक मादा होता है।

4. **निम्न में से कौनसा वाद्य धातु निर्मित्त घन वाद्य है?**
(1) खंजरी (2) मंजीरा
(3) बीन (4) कामायचा (2)

5. **निम्न में से कौनसा वाद्ययंत्र घन वाद्ययंत्र नहीं है?**
(1) बांकिया (2) रमझौल
(3) श्रीमंडल (4) लेजिम (1)
व्याख्या– बांकिया सुषिर वाद्ययंत्र है जो कि सरगड़ा जाति का खानदानी वाद्ययंत्र है।

6. **चमड़े के पट्टे पर बहुत सारे घुंघरू सिले होते हैं, जिन्हे नृतकियाँ नृत्य करते समय पैरों में बाँधती हैं, क्या कहलाता है?**
(1) खंजरी (2) रमझौल
(3) श्रीमंडल (4) लेजिम (2)

7. **मृदंग की आकृति के मिट्‌टी से बने लोक वाद्य, जो मोलेला गाँव में विशेषत: बनाया जाता है, का क्या नाम है?**
(1) नौबत (2) माँदल
(3) धौंसा (4) माठ (2)
व्याख्या– मोलेला गाँव (राजसमंद) में माँदल के बाहर के खोल को मिट्‌टी से बनाते है। इसके दोनों तरफ चमडा मंढ़ा जाता है। भीलों द्वारा गवरी नृत्य के दौरान व गरासिया जाति द्वारा मांदल नृत्य के दौरान इसका प्रयोग किया जाता है।

8. **राजस्थान का कौनसा कलाकार 'भपंग का जादूगर' कहलाता है?**
(1) जुहुर खाँ मेवाती (2) चांद मोहम्मद
(3) अमीर मोहम्मद खाँ (4) पेपे खाँ (1)
व्याख्या– भपंग डमरू से मिलता–जुलता वाद्ययंत्र है। यह कटे हुए तुंबे से बनता है। जिसके एक सिरे पर चमड़ा मंढा होता है। वादक इसे काँख में दबाकर एक हाथ से लकड़ी के टूकड़े से बजाते हैं। यह वाद्ययंत्र मेवात में लोकप्रिय है।

9. **सुषिर वाद्ययंत्रों में सबसे लम्बा वाद्ययंत्र, जो तीन हाथ लम्बी नली जैसा होता है, भवाई जाति का प्रमुख वाद्ययंत्र है?**
(1) नड़ (2) बाँकिया
(3) सींगा (4) भूंगल (4)
व्याख्या– भूंगल को युद्धों में बजाये जाने के कारण इसे रणभेरी भी कहा जाता है।

10. **निम्नलिखित में से कौनसा वाद्य–यंत्र तत् वाद्य नहीं है?**
(1) सारंगी (2) चिकारा
(3) अलगोजा (4) भपंग (3)
व्याख्या– अलगोजा एक सुषिर वाद्ययंत्र है।

11. **निम्नलिखित में से कौनसा सुषिर वाद्य नहीं है?**
(1) सुरनाई (2) सतारा
(3) करणा (4) सुरमण्डल (4)
व्याख्या– सुरमण्डल एक तत् वाद्ययंत्र है।

12. **निम्नलिखित में से कौनसा वाद्य–यंत्र तत् वाद्य नहीं है?**
(1) गुजरी (2) मृदंग
(3) तंदूरा (4) रबाज (2)
व्याख्या– मृदंग अवनद्य वाद्य यंत्र है।

13. **'घुरालियों' क्या है?**
(1) गरासियों का वाद्ययन्त्र (2) कालबेलियों का वाद्ययंत्र
(3) सरगड़ा जाति का वाद्ययंत्र (4) भीलों का वाद्ययंत्र (2)
व्याख्या– घुरालिया 5–6 अंगुल लम्बी बाँस की खपच्ची से बनाया जाता है। इसके एक छोर को छीलकर मुख पर धागा बाँध दिया जाता है। इसे दाँतों के बीच दबाकर धागों की सहायता से भी बजाया जाता है।

14. **राजस्थान के किस लोकवाद्य को 'ज्यूज हार्प' भी कहा जाता है?**
(1) मोरचंग (2) शंख
(3) नागफणी (4) सुरनाई (1)

15. **राजस्थान के उमर फारुक मेवाती का सम्बन्ध किस वाद्ययंत्र से था?**
(1) कामयचा (2) भपंग
(3) नगाड़ा (4) चिकारा (2)

16. **निम्न में से कौनसा तत् वाद्‌य नहीं है?**
(1) रावणहत्था (2) सुरमण्डल
(3) करणा (4) दुकाको (3)
व्याख्या– करणा सुषिर वाद्य यंत्र है।

17. **राजस्थान का राज्य वाद्य है?**
(1) रावणहत्था (2) अलगोजा
(3) कामायचा (4) शहनाई (2)
व्याख्या– अलगोजा वाद्ययंत्र 7 व 9 छिद्रों वाली बाँसुरियां होती हैं। जिसे वादक द्वारा एक साथ मुँह में रखकर बाँसुरी की तरह बजाया जाता है। यह मुख्यत: भील व कालबेलिया जाति द्वारा प्रयोग में लिया जाता है। यह कैर वृक्ष की लकड़ी से बनता है।

18. **निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही है–**
(1) खड़ताल – सुषिर वाद्य
(2) रबाब – तत् वाद्य
(3) बाँकिया – घन वाद्य
(4) डेरू – सुषिर वाद्य (2)

व्याख्या– खड़ताल घनवाद्य वाद्ययंत्र है तथा बाँकिया सुषिर वाद्ययंत्र है व डेरू अवनद्य वाद्ययंत्र है।

19. **मारवाड़ के जोगियों द्वारा गोपीचंद भतृहरि, निहालदे आदि के ख्याल गाते समय किस वाद्य का प्रयोग किया जाता है?**
(1) भपंग (2) सारंगी
(3) जन्तर (4) चिकारा (2)

20. **प्रसिद्ध सुरनाई वादक है–**
(1) पेपे खाँ (2) सद्दीक खां
(3) जुहूर खां (4) कमल साकर खां (1)

व्याख्या– सुरनाई शहनाई व टोटो से मिलते–जुलते आकार का वाद्ययंत्र है। यह मांगलिक अवसरों पर बजाया जाता है। शहनाई शास्त्रीय वाद्य है। जबकि सुरनाई लोकवाद्य है।

21. **जो वाद्य फूँक कर बजाये जाते है, उन्हें कहा जाता है ?**
(1) घन (2) सुषिर वाद्य
(3) अवनद्य (4) तत् (2)

22. **'सारंगी' किस प्रकार का वाद्ययंत्र है?**
(1) सुषिर (2) घन
(3) तत् (4) अवनद्य (3)

23. **'कामायचा'का संबंध किस जाति से है?**
(1) मांगणियार (2) सांसी
(3) भील (4) डामोर (1)

24. **राजस्थान में भोपों का मुख्य वाद्ययंत्र है?**
(1) भूंगल (2) मशक
(3) ढ़ाक (4) रावणहत्था (4)

25. **मुहर्रम के अवसर पर बजाया जाने वाला प्रसिद्ध वाद्ययंत्र कौनसा है?**
(1) ताशा (2) सींगा
(3) गुजरी (4) तुरही (1)

26. **राजस्थान का वह संगीत वाद्ययंत्र वादक जिसे प्रसिद्ध 'ग्रैमी अवार्ड' से नवाजा गया?**
(1) पं. विश्वमोहन भट्ट (जयपुर) (2) पेपे खाँ
(3) हरिप्रसाद चौरसिया (4) रामकिशन सोंलकी (1)

व्याख्या– पं विश्वमोहन भट्ट को विश्व मीणा/ मोहनवीणा का जनक कहा जाता है।

27. **पुष्कर के प्रसिद्ध नगाड़ा वादक है?**
(1) रामकिशन सोलंकी (2) साकर खाँ
(3) हरिप्रसाद चौरसिया (4) सदीक खाँ (1)

28. **रावणहत्था क्या है?**
(1) एक लोकगीत (2) गरासियों का पहनावा
(3) विवाह की एक रस्म (4) एक वाद्ययंत्र (4)

29. **सुषिर वाद्ययंत्रों में सर्वश्रेष्ठ वाद्ययंत्र कौनसा है?**
(1) शहनाई (2) सतारा
(3) भूंगल (4) अलगोजा (1)

30. **निम्नलिखित युग्मों को सही सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूटों में से सत्य कूट का चयन करें।**

वाद्य यन्त्र	**प्रयोग**
A. मंजीरा	I. रम्मत लोक नाट्य
B. माटे	II. पाबूजी के पवाड़े
C. बम	III. रसिया गीत
D. रबाज	IV. तेरहताली नृत्य

कूट :

	क	ख	ग	घ	
(1)	II	III	I	IV	
(2)	IV	II	III	I	
(3)	I	II	III	IV	
(4)	I	III	II	IV	(2)

Dhindhwal Publication Lead, Read and Achieve

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

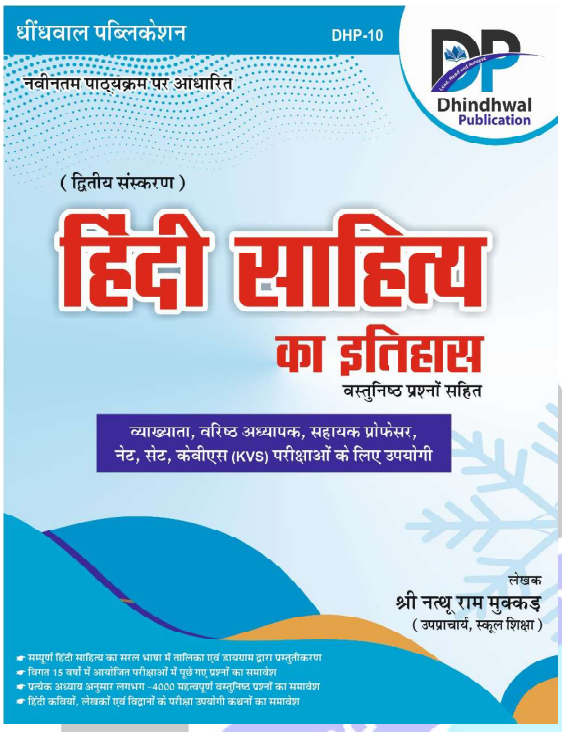

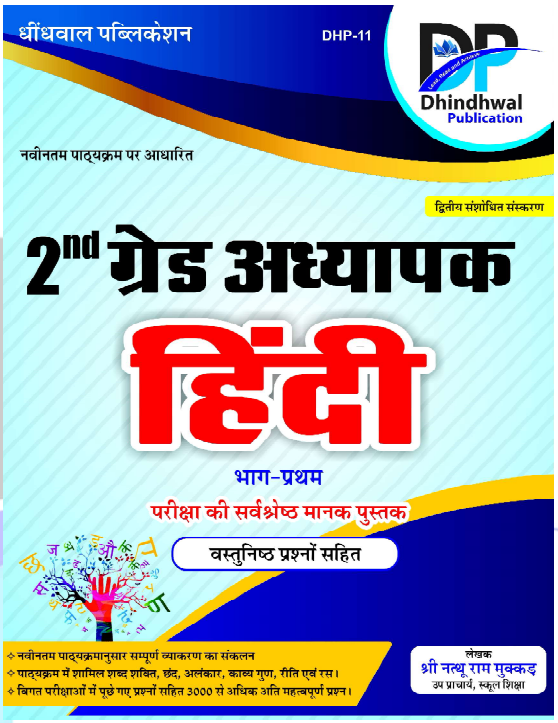

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

- Dhindhwal Publication
- धींधवाल पब्लिकेशन
- Dhindhwal Classes
- @Publication-DP
- Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।